# राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत
# NATIONAL TESTING SERVICE-INDIA

## कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रारूप
## PROGRAMME REPORT PROFORMA

| | |
|---|---|
| 1. कार्यक्रम का शीर्षक<br>Title of the Programme | 3-day Training-cum-Workshop on Testing & Evaluation and Question Item Writing in Hindi in light of NEP 2020 |
| 2. दिनांक/Date | 20th August to 22nd August, 2026 |
| 3. स्थान/Place | District Institute of Education and Training, Jodhpur, Rajasthan |
| 4. प्रणाली/Mode | Face to face offline mode |
| 5. प्रतिभागियों की संख्या<br>Number of the participants<br><br>a. विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालयों के अध्यापक<br>School / College / Univ. Teachers<br>b. शोधार्थी/Research Scholars<br>c. परास्नातक छात्र/<br>Postgraduate Students<br>कुल /Total | 60 have Deputed / 43 have participated<br><br>All the participants are Government school teachers from different districts of Jodhpur, Rajasthan who were deputed by their respective District Education authorities. The programme was conducted at the seminar hall of District Institute of Education and Training, Jodhpur, Rajasthan.<br><br>Total 43 participants |
| 6. बाह्य विशेषज्ञों के नाम तथा पद<br>Name and Designation of subject experts | External Experts:<br>o Dr Sawai Singh, Lecturer, Government Senior Secondary School, Kaliberi, Jodhpur, Rajasthan<br>o Dr Meena Jangid - Senior Lecturer (Sanskrit), SRCGSSS, Shastri Nagar, Jodhpur, Rajasthan<br>o Dr Raunak Kumar - Assistant Professor, GGC, Soorsagar, Jodhpur<br>o Dr Pavan Kumar Panchariya, ACBEO, Jodhpur city, Rajasthan.<br>o Dr Balkishan Sharma, Principal, MGGS, Bijariya, Bawari, Jodhpur, Rajasthan<br>o Dr. Laxman Singh Rathore, ACBEO -1, Luni<br>o Dr Dhan Singh, Lecturer, MGGSC, Chainpura, Jodhpur, Rajasthan<br>Internal Experts:<br>o Shriganesh Devaru Bhat (R.P, NTS-I)<br>o Dr. Murali Mohana N (Officer-general, NTS-I) |
| 7. कार्यक्रम के दौरान किये गये विषयों परचर्चा<br>Topics covered during the discussion | • Basic Concepts of Testing, Measurement, Assessment and Evaluation<br>• Taxonomy of Educational Objectives: Learning Outcomes, and Competency-Based Assessment<br>• Test Planning: Preparation of Statement of Specifications and Blueprint for Sanskrit Language Test |

| | |
|---|---|
| | • Language Education under NEP 2020 and NCF 2023: Implications for Language Teaching and Assessment<br>• Competency-Based Assessment of LSRW<br>• Principles of Item Writing: Language and Literature Based Objective Type and Constructed-Response Questions<br>• Group Workshop: Preparation of Sanskrit Test Items and Scoring Rubrics<br>• Review, Moderation and Validation of Test Items: Identifying and Revising Faulty Questions & Hands-on Introduction to the Question Input System<br>• Inclusive and Context-Sensitive Assessment: Using Local Culture and Indian Knowledge Traditions in Language Assessment<br>• Responsible Use of Artificial Intelligence in Language Assessment |
| 8. क्या कार्यक्रम से एनईपी-2020 के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता मिली? विवरण दें।<br>Did the programme assist in fulfilling the objectives of NEP-2020? Provide Details. | This training-cum-workshop aligns with the vision articulated in Chapter 5.15 of the National Education Policy (NEP) 2020, which emphasises that "teachers will be given continuous opportunities for self-improvement and to learn the latest innovations and advances in their professions." The programme was organised with the objective of fostering motivated, empowered, and professionally competent faculty in accordance with the transformative goals of NEP 2020. |
| 9. प्रश्न-पद निर्माण की संख्या<br>No. of Question Item prepared | A total of 1,354 question items were entered online into the NTS-I database |
| 10. क्या प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई? विवरण दें।<br>Was the training material provided to the participants? Provide Details. | Yes, the PPTs on the following topics have been shared with the participant teacher educators through their principal.<br><br>• Basic Concepts of Testing, Measurement, Assessment and Evaluation<br>• Taxonomy of Educational Objectives: Learning Outcomes, and Competency-Based Assessment<br>• Test Planning: Preparation of Statement of Specifications and Blueprint for Sanskrit Language Test<br>• Language Education under NEP 2020 and NCF 2023: Implications for Language Teaching and Assessment<br>• Competency-Based Assessment of LSRW<br>• Principles of Item Writing: Language and Literature Based Objective Type and Constructed-Response Questions<br>• Inclusive and Context-Sensitive Assessment: Using Local Culture and Indian Knowledge Traditions in Language Assessment<br>• Responsible Use of Artificial Intelligence in Language Assessment |
| 11. अनुदेश का माध्यम<br>Medium of Instruction | Hindi |

| | |
|---|---|
| 12. क्या कार्यक्रम की ब्रीफिंग मीडिया में प्रसारित की गई थी? विवरण दें।<br>Was the briefing of the programme circulated in media? Provide details. | The programme gained significant academic outreach through its publication on the official platforms of National Testing Service-India and Central Institute of Indian Languages. Photographs and highlights from the academic and valedictory sessions were widely disseminated across their official websites and social media handles, thereby enhancing institutional visibility and digital engagement. |

कार्यक्रम का सारांश

Summary of the programme in Hindi:

राष्ट्रीय परीक्षण सेवा–भारत, भारतीय भाषा संस्थान (मानसगंगोत्री, मैसूरु) तथा श्रीमती शकुंतला, उप-प्रधानाचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), जोधपुर, राजस्थान के संयुक्त सहयोग से **राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में हिन्दी भाषा में परीक्षण एवं मूल्यांकन तथा प्रश्न-पद निर्माण** विषय पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन दिनांक **20 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026** तक किया गया।

राजस्थान राज्य के विभिन्न स्थानों पर कार्यरत उच्च प्राथमिक विद्यालयों के हिन्दी शिक्षकों के लिए आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जोधपुर स्थित मंडलीय शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में संपन्न हुआ।

दिनांक **20.08.2026** को प्रातः **10:30 बजे** जोधपुर स्थित मंडलीय शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के परिसर के सभागार में इस प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह में **डा मुरली मोहन एन** ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में भाषा-शिक्षण में परीक्षण एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। अतः हिन्दी भाषा के अध्यापकों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रश्न-पद निर्माण, अधिगम परिणाम-आधारित मूल्यांकन तथा दक्षता-आधारित परीक्षण पद्धति की समझ विकसित करने के उद्देश्य से इस प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

**श्री भरत कुमार पारीक** ने उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उन्होंने भाषा-शिक्षण में परीक्षण एवं मूल्यांकन के महत्त्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अध्यापकों के निरंतर प्रशिक्षण से शिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में अधिगम परिणाम-आधारित मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों में आवश्यक दक्षताओं के विकास को शिक्षण प्रक्रिया में प्रमुख स्थान प्राप्त है। इस दृष्टि से शिक्षकों को आधुनिक परीक्षण एवं मूल्यांकन पद्धतियों से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है।

**श्रीमती संयुक्ता गुप्ता** ने उद्घाटन समारोह में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों, संसाधन व्यक्तियों तथा प्रतिभागी अध्यापकों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के अध्यापन क्षेत्र में परीक्षण एवं मूल्यांकन के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझना अध्यापकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाषा-शिक्षण में गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन तथा प्रभावी प्रश्न-पद निर्माण के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उद्घाटन समारोह के उपरांत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शैक्षणिक सत्रों का शुभारंभ हुआ।

प्रथम दिवस - 20/08/2026

प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में "परीक्षण, मापन, समाकलन एवं मूल्यांकन की कुछ आधारभूत अवधारणाएँ" विषय पर डॉ. सवाई सिंह, व्याख्याता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालीबेरी, जोधपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में Testing, Measurement, Assessment तथा Evaluation की मूलभूत अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनके स्वरूप, पारस्परिक संबंध, अन्तर तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में इनके महत्त्व को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया गया।

द्वितीय सत्र में "शैक्षणिक उद्देश्यों की वर्गिकी:अधिगम के प्रतिफल एवं दक्षमता आधारित समाकलन" विषय पर डॉ. मीना जांगिड़, वरिष्ठ व्याख्याता (संस्कृत), SRCGSSS, शास्त्री नगर, जोधपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में शैक्षिक उद्देश्यों के वर्गीकरण, Learning Outcomes, तथा Competency-Based Assessment की अवधारणा एवं शैक्षिक उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल तथा क्षमताओं का प्रभावी आकलन करने में दक्षता-आधारित मूल्यांकन के महत्त्व को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया गया।

तृतीय सत्र में "परीक्षण की योजना :भाषा परीक्षण के लिए नीला खाका का निर्माण" विषय पर डॉ. रौनक कुमार, सहायक प्राध्यापक, GGC, सूरसागर, जोधपुर द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में परीक्षण-योजना की प्रक्रिया, परीक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप विषय-वस्तु का चयन, प्रश्नों के प्रकारों का निर्धारण, Statement of Specifications तथा नीलाखाका के निर्माण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। एक सुव्यवस्थित, संतुलित तथा उद्देश्यपरक भाषा-परीक्षण के निर्माण के लिए आवश्यक विभिन्न पहलुओं पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

द्वितीय दिवस - 21/08/2026

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 :भाषा शिक्षण एवं समाकलन पर इसके प्रभाव" विषय पर डॉ. पवन कुमार पंचारिया, ACBEO, जोधपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में NEP 2020 तथा NCF 2023 के अन्तर्गत भाषा-शिक्षा से सम्बन्धित प्रमुख प्रावधानों एवं दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई। भाषा-शिक्षण तथा भाषा-मूल्यांकन पर इन नीतियों के प्रभाव, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण, कौशल-आधारित अधिगम तथा समग्र विकास जैसे विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया।

द्वितीय सत्र में "दक्षता आधारित समाकलन श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन कौशल" विषय पर डॉ. रौनक कुमार, सहायक प्राध्यापक, GGC, सूरसागर, जोधपुर द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में भाषा के चार प्रमुख कौशलों – श्रवण, वाचन, पठन, एवं लेखन - के दक्षता-आधारित मूल्यांकन पर चर्चा की गई। प्रत्येक कौशल के मूल्यांकन हेतु आवश्यक क्षमताओं, परीक्षण-पद्धतियों तथा मूल्यांकन-मापदण्डों को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया गया।

तृतीय सत्र में "प्रश्न-पद लेखन के सिद्धांत:भाषा एवं साहित्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ एवं निर्मित प्रतिक्रिया प्रश्न" विषय पर डॉ. बालकिशन शर्मा, प्राचार्य, MGGS, बिजारिया, बावड़ी, जोधपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में Item Writing के मूलभूत सिद्धान्तों, भाषा एवं साहित्य आधारित प्रश्न-निर्माण, Objective Type Questions तथा Constructed-Response Questions के स्वरूप एवं निर्माण-पद्धति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रश्नों को स्पष्ट, त्रुटिरहित, उद्देश्यपरक तथा विद्यार्थियों की वास्तविक दक्षताओं का आकलन करने योग्य बनाने के विभिन्न उपायों पर विशेष बल दिया गया।

चतुर्थ सत्र में "ग्रुप वर्कशॉप: हिंदी प्रश्न और स्कोरिंग रूब्रिक्स निर्माण" विषय पर व्यावहारिक समूह-कार्यशाला आयोजित की गई। इस सत्र में NTS-I टीम के श्रीगणेश देवरु भट्ट तथा डॉ. मुरली मोहन एन. के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने परीक्षण-प्रश्नों के निर्माण तथा Scoring Rubrics तैयार करने का व्यावहारिक अभ्यास किया। प्रतिभागियों को प्रश्नों की उद्देश्यपरकता, स्पष्टता तथा मूल्यांकन हेतु उपयुक्त मापदण्डों के निर्माण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा समूहों में प्रश्न तैयार किए गए तथा उनका प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा भी की गई।

तृतीय दिवस - 22/08/2026

तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में "Review, Moderation and Validation of Test Items: Identifying and Revising Faulty Questions & Hands-on Introduction to the Question Input System" विषय पर श्रीगणेश देवरु भट्ट तथा डॉ. मुरली मोहन एन., NTS-I टीम द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में परीक्षण-प्रश्नों के Review, Moderation तथा Validation के महत्त्व पर चर्चा की गई। प्रश्नों में संभावित भाषिक, विषयगत तथा संरचनात्मक त्रुटियों की पहचान एवं उनके संशोधन की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को Question Input System का Hands-on Introduction दिया गया तथा उसके प्रयोग का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

द्वितीय सत्र में "Inclusive and Context-Sensitive Assessment: Using Local Culture and Indian Knowledge Traditions in Language Assessment" विषय पर डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़, ACBEO-1, लूणी द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में Inclusive तथा Context-Sensitive Assessment की अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। भाषा-मूल्यांकन में स्थानीय संस्कृति, स्थानीय ज्ञान तथा भारतीय ज्ञान परम्पराओं के उचित उपयोग की संभावनाओं को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया में विद्यार्थियों की विविधता, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

तृतीय सत्र में "Responsible Use of Artificial Intelligence in Language Assessment" विषय पर डॉ. धन सिंह, व्याख्याता, MGGS, चैनपुरा, जोधपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में भाषा-मूल्यांकन के क्षेत्र में Artificial Intelligence के संभावित उपयोग तथा उसके उत्तरदायित्वपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता पर चर्चा की गई। AI-आधारित उपकरणों के माध्यम से प्रश्न-निर्माण, मूल्यांकन तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में प्राप्त होने वाली सहायता को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। साथ ही AI के प्रयोग में मानवीय निगरानी, शैक्षणिक नैतिकता, विश्वसनीयता तथा उत्तरदायित्व के महत्त्व पर विशेष बल दिया गया।

समापन सत्र

तृतीय दिवस के अंतिम सत्र में समापन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संयुक्ता गुप्ता, व्याख्याता, श्रीमती शकुंतला, उप-प्रधानाचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), जोधपुर द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, संसाधन व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त की।

तत्पश्चात् श्रीमती शकुंतला, उप-प्रधानाचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), जोधपुर, द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में चर्चा किए गए विषयों के महत्त्व को रेखांकित किया तथा प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल को विद्यालयी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में प्रभावी रूप से प्रयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके पश्चात् डॉ. मुरली मोहन द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों तथा कार्यक्रम से जुड़े संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यशाला के दौरान चर्चा किए गए प्रमुख विषयों का संक्षिप्त पुनरावलोकन भी किया।

अन्त में डॉ. प्रवीण, व्याख्याता, श्रीमती रेणु तिवारी, वरिष्ट व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), जोधपुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी अतिथियों, संसाधन व्यक्तियों, आयोजकों तथा प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।
इस प्रकार, 20 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026 तक आयोजित त्रिदिवसीय "हिंदी भाषा में परीक्षण एवं मूल्यांकन तथा प्रश्न-पद निर्माण पर प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला" सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यशाला के दौरान परीक्षण, मापन, समाकलन, मूल्यांकन, भाषा शिक्षा, दक्षता-आधारित समाकलन, प्रश्न-पद निर्माण, समावेशी समाकलन तथा भाषा समाकलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उत्तरदायी उपयोग जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

## English: Summary of the programme:

The **National Testing Service–India, Central Institute of Indian Languages (Manasagangotri, Mysuru), and the District Institute of Education and Training (DIET), Jodhpur, Rajasthan**, jointly organized a three-day training and workshop on **"Testing and Evaluation and Item Writing in Hindi Language in the Context of National Education Policy 2020"** from **20 August 2026 to 22 August 2026**.

The training programme was organized for Hindi language teachers working in upper-primary schools at various locations across the state of Rajasthan. The programme was conducted at the seminar hall of the District Institute of Education and Training, Jodhpur.

The inaugural ceremony of the training and workshop was held at **10:30 a.m. on 20 August 2026** at the seminar hall of the District Institute of Education and Training, Jodhpur.

During the inaugural ceremony, **Dr Murali Mohan N.** clearly articulated the objectives of the training programme. He emphasised that, in the context of the **National Education Policy 2020**, modernisation of the processes of testing and evaluation in language education is essential. He further stated that the training and workshop had been organised to develop teachers' understanding of quality item writing, learning-outcome-based assessment, and competency-based testing practices in Hindi language education.

**Smt. Shakunthala, Vice-Principal, DIET, Jodhpur** delivered the presidential address during the inaugural session. He highlighted the importance of testing and evaluation in language education and emphasized that continuous professional development of teachers contributes significantly to improving the quality of teaching. He observed that, in accordance with the National Education Policy 2020, learning-outcome-based assessment and the development of essential competencies among learners have acquired a central position in the teaching-learning process. In this context, he stressed the importance of familiarizing teachers with contemporary approaches to testing and evaluation.

**Smt. Sanyukta Gupta** delivered the welcome address at the inaugural ceremony. She warmly welcomed the experts, resource persons, and participating teachers attending the programme. She observed that developing an understanding of scientific approaches to testing and evaluation in Hindi language education would be highly beneficial for teachers. She further emphasized that such training programmes play an important role in promoting quality assessment and effective item writing in language education.

Following the inaugural ceremony, the academic sessions commenced as per the scheduled programme.

Day One – 20 August 2026

In the first session of Day One, **"Basic Concepts of Testing, Measurement, Assessment and Evaluation"** was presented by **Dr Sawai Singh**, Lecturer, Government Senior Secondary School,

Kaliberi, Jodhpur, Rajasthan. The session provided a detailed discussion of the fundamental concepts of Testing, Measurement, Assessment, and Evaluation. Their nature, interrelationships, distinctions, and significance in the teaching-learning process were explained with appropriate examples.

The second session focused on **"Taxonomy of Educational Objectives: Learning Outcomes, and Competency-Based Assessment"**, presented by **Dr Meena Jangid**, Senior Lecturer (Sanskrit), SRCGSSS, Shastri Nagar, Jodhpur, Rajasthan. The session examined the taxonomy of educational objectives, the concept of Learning Outcomes, and the principles and educational significance of Competency-Based Assessment. Through illustrative examples, the importance of competency-based assessment in effectively assessing learners' knowledge, skills, and abilities was highlighted.

The third session, **"Test Planning: Preparation of Statement of Specifications and Blueprint for Sanskrit Language Test"**, was presented by **Dr Raunak Kumar**, Assistant Professor, GGC, Soorsagar, Jodhpur. The session dealt with the process of test planning, selection of content in accordance with test objectives, determination of question types, and preparation of the Statement of Specifications and Blueprint. Particular emphasis was placed on the various considerations involved in developing a well-structured, balanced, and objective-oriented language test.

Day Two – 21 August 2026

The first session of Day Two, **"Language Education under NEP 2020 and NCF 2023: Implications for Language Teaching and Assessment"**, was presented by **Dr Pavan Kumar Panchariya**, ACBEO, Jodhpur City, Rajasthan. The session examined the major provisions and perspectives related to language education under NEP 2020 and NCF 2023. The implications of these policy frameworks for language teaching and assessment were discussed in detail, with particular attention to learner-centred education, competency-based learning, and holistic development.

The second session, **"Competency-Based Assessment of LSRW"**, was presented by **Dr Raunak Kumar**, Assistant Professor, GGC, Soorsagar, Jodhpur. The session focused on competency-based assessment of the four major language skills—Listening, Speaking, Reading, and Writing. The competencies required for assessing each skill, along with appropriate assessment methods and criteria, were explained with suitable examples.

The third session, **"Principles of Item Writing: Language and Literature Based Objective Type and Constructed-Response Questions"**, was presented by **Dr Balkishan Sharma**, Principal, MGGS, Bijariya, Bawari, Jodhpur, Rajasthan. The session dealt extensively with the fundamental principles of item writing, language- and literature-based question construction, and the nature and development of Objective Type Questions and Constructed-Response Questions. Particular emphasis was placed on ensuring that questions are clear, error-free, aligned with the intended objectives, and capable of effectively assessing learners' actual competencies.

The fourth session consisted of a practical **"Group Workshop: Preparation of Sanskrit Test Items and Scoring Rubrics"**. Under the guidance of **Dr Murali Mohan N.** and **Shri Shriganesh Devaru Bhat** of the NTS-I team, participants engaged in hands-on activities involving the preparation of test items and Scoring Rubrics. Guidance was provided on ensuring the relevance and clarity of questions and on developing appropriate criteria for assessment. The participants worked in groups to prepare questions, followed by their presentation and review.

Day Three – 22 August 2026

The first session of Day Three, **"Review, Moderation and Validation of Test Items: Identifying and Revising Faulty Questions & Hands-on Introduction to the Question Input System"**, was conducted by **Dr Murali Mohan N.** and **Shri Shriganesh Devaru Bhat** of the NTS-I team. The session emphasized the importance of Review, Moderation, and Validation of test items. Participants were introduced, through examples, to the identification and revision of possible linguistic, content-related, and structural errors in test items. In addition, a hands-on introduction to the **Question Input System** was provided, enabling participants to gain practical experience in its use.

The second session, **"Inclusive and Context-Sensitive Assessment: Using Local Culture and Indian Knowledge Traditions in Language Assessment"**, was presented by **Dr Laxman Singh Rathore**, ACBEO-1, Luni. The session provided an extensive discussion of the concepts of Inclusive and Context-Sensitive Assessment. Through examples, the possibilities of appropriately incorporating local culture, local knowledge, and Indian Knowledge Traditions into language assessment were explored. Particular emphasis was placed on the need to consider learner diversity, cultural backgrounds, and local contexts in the assessment process.

The third session, **"Responsible Use of Artificial Intelligence in Language Assessment"**, was presented by **Dr Dhan Singh**, Lecturer, MGGS, Chainpura, Jodhpur, Rajasthan. The session discussed the potential applications of Artificial Intelligence in language assessment and the need for its responsible use. Examples were provided to illustrate how AI-based tools can support question generation, assessment, and the teaching-learning process. Particular emphasis was placed on the importance of human oversight, academic ethics, reliability, and accountability in the use of AI.

Valedictory Session

The final session of the third day was the **Valedictory Session**. On this occasion, **Smt. Sanyukta Gupta**, Lecturer, DIET Jodhpur, delivered the welcome address. She welcomed all the guests, resource persons, and participants and conveyed her best wishes for the successful completion of the three-day training programme.

This was followed by the presidential address delivered by **Smt. Renu Gupta**, Assistant Principal, DIET, Jodhpur. She highlighted the significance of the themes discussed during the various sessions of the training programme and emphasized the need to effectively apply the knowledge and skills acquired during the training in the school teaching-learning process.

Subsequently, **Dr Murali Mohan N.** delivered the **Facilitation Speech**. He expressed his appreciation to all the participants who had actively engaged in the various sessions of the workshop and to the resource persons associated with the programme. He also provided a brief review of the major themes discussed during the workshop.

Finally, **Dr Praveen**, Lecturer, DIET Jodhpur, delivered the **Vote of Thanks**. He expressed his gratitude to all the guests, resource persons, organizers, and participants whose contributions facilitated the successful conduct of the programme.

Thus, the three-day **"Training cum Workshop on Testing & Evaluation and Item Writing in Hindi Language"**, held from **20 August 2026 to 22 August 2026**, was successfully concluded. The workshop provided both theoretical and practical exposure to important areas including Testing, Measurement, Assessment, Evaluation, Language Education, Competency-Based Assessment, Item Writing, Inclusive Assessment, and the Responsible Use of Artificial

| | |
|---|---|
| Intelligence in Language Assessment. | |
| 13. टिप्पणियाँ/Remarks: | Overall, the three-day training-cum-workshop was highly successful in achieving its intended academic objectives and strengthening participants' understanding of testing, evaluation, and question item writing in the context of NEP 2020. The programme significantly enhanced teachers' pedagogical competencies, assessment literacy, and learner-centric classroom practices through meaningful academic deliberations and hands-on activities. |

Sd\-
डॉ. पंकज द्विवेदी/Dr. Pankaj Dwivedi
संयोजक का नाम एवं हस्ताक्षर
Name & Signature of the Coordinator